एक अपील

डॉ.कलाम चंपारण आने के लिए सहर्ष तैयार हो गए

गांधीजी को चंपारण में राजकुमार शुक्ल ने बुलाकर एक बहुत ही महान कार्य किये जो कि आज चंपारण का नाम विश्व स्तर पर जाना जाता है.ऐसा माना जाता है कि अगर गांधीजी चंपारण नहीं आते तो अहिंसा की देवी से न साक्षात्कार होता और नही सत्याग्रह रुपी हथियार मिल पाता.ये सौभाग्य की बात है कि चंपारण से आज़ादी की असली चिंगारी ने अग्रेजों को भारत छोड़ने हेतु मजबूर कर दिया. आज हम आज़ाद है लेकिन दुःख इस बात का है कि आज चंपारण ही नहीं पूरा भारत अपने ही संकीर्ण विचारधाराओं एवं विभिन्न समस्याओं में उलझ कर रह गया और विकासशील राष्ट्र की क्षेणी में अभी भी खडा है.भावनाओ का विकेंद्रीकरण हो गया ,जो हमें नीचे की तरफ खीचते जा रही है.

आज पुनः एक राष्ट्रिय आँदोलन की दरकार है,क्रांति की आवश्यकता है जिसमे सभी वर्ग के लोगों की भागीदारी अति आवश्यक है. ये आँदोलन होगा, अपने अस्तित्व को बचाने की, खोई प्रतिष्ठा को वापस लाने की, अपने स्वं की उर्जा को पहचानने की ,इंसानियत की भावना को जिन्दा रखने की,अपने परिवार ,समाज व् देश के स्वाभिमान को बचाने की सहयोग व् सहभागिता की भावना को जाग्रत करने की अपने सोये हुए ज़मीर को जगाने की,जिससे हमारा देश संवैधानिक रूप से विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ सके..

इस द्वितीय राष्ट्रिय आँदोलन का नेतृत्व हमारे भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कर रहे जो 2020 तक भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य बनाया है. चंपारण एक बार पुनः इस राष्ट्रिय आँदोलन को सफल कराने में अग्रणी भूमिका निभाएगा. डॉ.कलाम चंपारण आने वाले है ,जिसमें आपकी सकारात्मक भूमिका की काफी आवश्यकता है.जैसे गांधीजी के चंपारण आने से आज़ादी की लड़ाई में काफी मदद मिला और प्रथम राष्ट्रिय आँदोलन सफल हुआ.आज पुनः द्वितीय राष्ट्रिय आन्दोलन के जनक डॉ. कलाम चंपारण आ रहे है ,जो विकसित भारत के स्वप्न को सकारात्मक रूप में धरातल पर उतरने का संकेत है. मुन्ना कुमार पहले ही मिल कर चंपारण आने का न्योता दे चुके है और उन्होंने आने का वादा भी किया है.

डॉ. कलाम को चंपारण के बारे में बताते मुन्ना कुमार